महाशीर संरक्षण की रणनीति के लिए इन्दौर में राष्ट्रीय कान्फ्रेंस

मध्यप्रदेश की राज्य मछली महाशीर के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए दिनांक 9 से 11 सितम्बर 2016 तक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा एक राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की राज्य मछली महाशीर स्वच्छ बहते पानी की मछली है और स्वस्थ नदियों की पहचान मानी जाती है। अपनी चपलता के कारण इसे पानी का टाइगर भी कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश की राज्य मछली महाशीर की संख्या में विगत कुछ वर्षों में काफी गिरावट दर्ज की गई है, जिसको लेकर स्थानीय मछुआरा समुदायों और वैज्ञानिकों में चिंता व्याप्त है।

अतः इस राज्य मछली के संरक्षण, संवर्धन एवं प्राकृतिक रहवास क्षेत्रों की बेहतर सुरक्षा, कृत्रिम प्रजनन और संख्या में वृद्धि तथा मनोरंजन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय समुदायों की आजीविका को मजबूत करने के लिए रणनीति विकसित की जानी है। इसी उद्देश्य से आयोजित इस राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में देश के विभिन्न भागों से विख्यात वैज्ञानिक एवं अन्य विशेषज्ञ पधार रहे हैं।

इनमें महाराष्ट्र से डॉ. शशांक ओगले एवं डॉ. आर.के. लांगर, उतरांचल से डॉ. प्रकाश नौटियाल, नैनीताल से डॉ. ए.के. सिंह एवं श्री देवाजीत शर्मा, हिमाचल प्रदेश से डॉ. कुलदीप शर्मा, राजस्थान से श्री राहुल भटनागर एवं डॉ. इस्माईल अली दुर्गा, आसाम से डॉ. अतुल बोरघोई, श्री नाबा गोगोई एवं डॉ कुलेन दास, महाशीर ट्रस्ट के प्रतिनिधि श्री डेरेक डिसूजा, नागपुर से श्री मनीष सिंह एवं डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया (विश्व प्रकृति निधि) से डॉ. असगर नवाब, कलकत्ता से डॉ. यू.के. सरकार जैसे प्रमुख वैज्ञानिकों के साथ–साथ प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में कार्यरत वन अधिकारी/कर्मचारी एवं मछुआरों के साथ–साथ विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के छात्र भी भाग लेने के लिए उपस्थित हो रहे हैं।

इस राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में वरिष्ठ महाशीर विशेषज्ञ डॉ. व्ही.आर. देसाई द्वारा प्रारंभिक उद्बोधन दिया जावेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस प्रदेश के मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक, श्री जितेन्द्र अग्रवाल तथा राज्य जैव विविधता बोर्ड, मध्यप्रदेश के सदस्य सचिव, श्री आर. श्रीनिवास मूर्ति भी आयोजन में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नॉलाजी विभाग, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इन्दौर द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एन.के. धाकड़, कुलपति, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इन्दौर की पहल पर किया जा रहा है। कार्यक्रम दिनांक 11.09.2016 को समाप्त होगा। समापन कार्यक्रम में डॉ. एन.के. धाकड़, कुलपति, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इन्दौर के साथ–साथ प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना) म.प्र., श्री रवि श्रीवास्तव एवं मुम्बई स्थित केन्द्रीय मत्स्य प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, डॉ. गोपालकृष्ण भी भाग लेंगे।

विगत कुछ वर्षों में महाशीर प्रजाति के संरक्षण विषय पर मध्यप्रदेश में आयोजित यह सबसे बड़ी कान्फ्रेंस होने जा रही है। कार्यक्रम की संयोजक सचिव, डॉ. श्रीपर्णा सक्सेना हैं। विस्तृत जानकारी के लिये संपर्क करें। 9229200243